SPECIAL MENTIONS

Demand for doubling and electrification of railway line from Manmad to Nanded

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, Marathwada is a backward area of Maharashtra State. To develop the area, it is important to double and electrify the Manmad to Nanded route. This route connects the States of Andhra Pradesh in North India and South India. This route is busy with trade and other transportation. This route has high freight and inter-State trains. Therefore, to save time and money, this route needs to be doubled and electrified.

Nanded, Parbhani, Jalna, Hingoli, Beed, Latur are the districts in Marathwada which are based on agro-industry. In order to develop them as an export hub for agricultural production, it is necessary to double and electrify this railway line. I request the Government to look into this matter.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by Dr. Fauzia Khan.

SHRI RAJEEV SATAV (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by Dr. Fauzia Khan.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by Dr. Fauzia Khan.

Demand for approving the proposal of Chhattisgarh Government for assistance in the processing and marketing of horticulture and forest products

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़) : सभापति महोदय, छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र में लघु वनोपज, वन औषधियां तथा अनेक प्रकार की उद्यानिकी फसलें पैदा होती हैं, लेकिन उनके उचित प्रसंस्करण एवं विक्रय की व्यवस्था न होने के कारण किसानों के उत्पादकों को सही मूल्य प्राप्त नहीं हो पा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार इसके लिए पूरी कोशिश में जुटी है। इसी क्रम में केन्द्र सरकार से प्रसंस्करण और विक्रय हेतु सहयोग के लिए लिखा है।

ऐसे क्षेत्रों में प्रसंस्करण इकाइयों एवं कोल्ड चेन स्थापित करने के लिए केन्द्र सरकार ने अभी तक राज्य सरकार के आग्रह पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की है। इस विलम्ब के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र में औषधियों और वनोपज की फसलों के प्रसंस्करण में अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही है।

महोदय, मेरा सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह है कि सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए आग्रह के आलोक में वनांचल क्षेत्र में औषधियों एवं उद्यानिकी फसलों के प्रसंस्करण के लिए आगे बढ़कर राज्य सरकार को आवश्यक मदद करे, जिससे किसानों एवं उत्पादकों को उचित मूल्य मिल सके, धन्यवाद।

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I associate myself with the Special Mention made by Shrimati Chhaya Verma.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by Shrimati Chhaya Verma.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by Shrimati Chhaya Verma.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by Shrimati Chhaya Verma.

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

Demand for launching a special drive for compassionate appointments within a fixed time-frame in Government departments

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, सरकारी कर्मचारी की जब मृत्यु सेवाकाल के दौरान हो जाती है तो उस पर आश्रित परिवार बिना किसी देख-रेख बेसहारा हो जाता है। ऐसे हालात में परिवार निरंतर बढ़ती हुई जीवन-यापन की लागत वहन करने में समर्थ नहीं हो पाता है। वस्तुतः सरकारी कर्मचारी के आश्रित परिवार के सदस्य को अनुकम्पा के आधार पर रोजगार प्रदान करने के लिए प्रावधान मौजूद है, पर खेद की बात है कि मामूली आधार पर रोजगार देने से तकरीबन सभी विभाग इन्कार करने लगे हैं। अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने के लिए परिवार बहुत परेशानियों का सामना करता है। कभी-कभी इस आधार पर भी रोजगार देने से इन्कार कर दिया जाता है कि ऐसी नियुक्तियों के लिए निर्धारित कोटा समाप्त हो गया है अथवा परिवार के सदस्यों में से कोई भी सदस्य सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है। बहुत ही कम मामलों में सरकारी कर्मचारी के परिवार को अनुकंपा नियुक्ति मिल पाती है।

सदन के माध्यम से मेरी सरकार से मांग है कि सभी विभागों को विशेष अभियान चलाकर, प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों की अनुकम्पा नियुक्ति एक निश्चित समय सीमा के भीतर कर देनी चाहिए और जब तक अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिलती तब तक उस परिवार को एक निश्चित गुजारे लायक भत्ता मिले जिससे आश्रित परिवार अनुकंपा नियुक्ति मिलने तक अपना जीवन-यापन कर सके।